Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 3

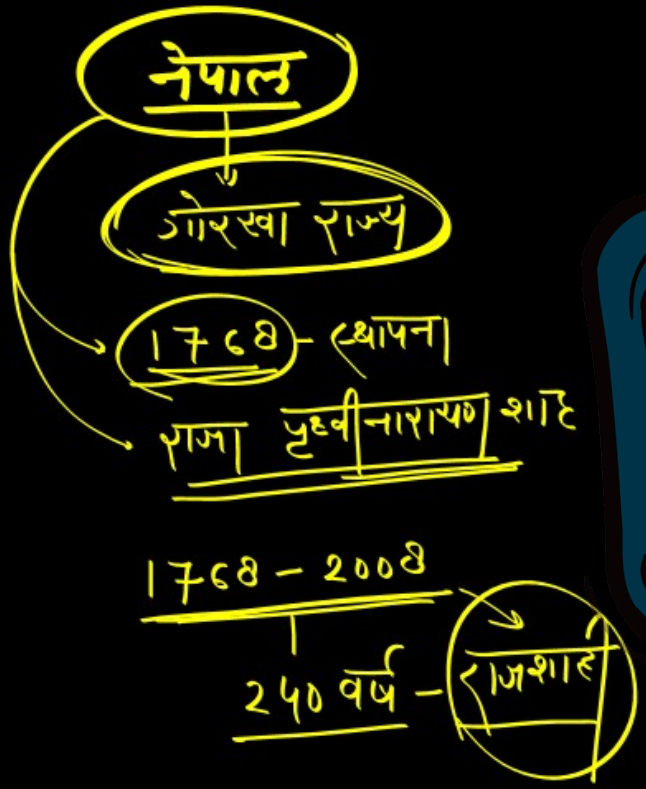
समकालीन दक्षिण एशिया

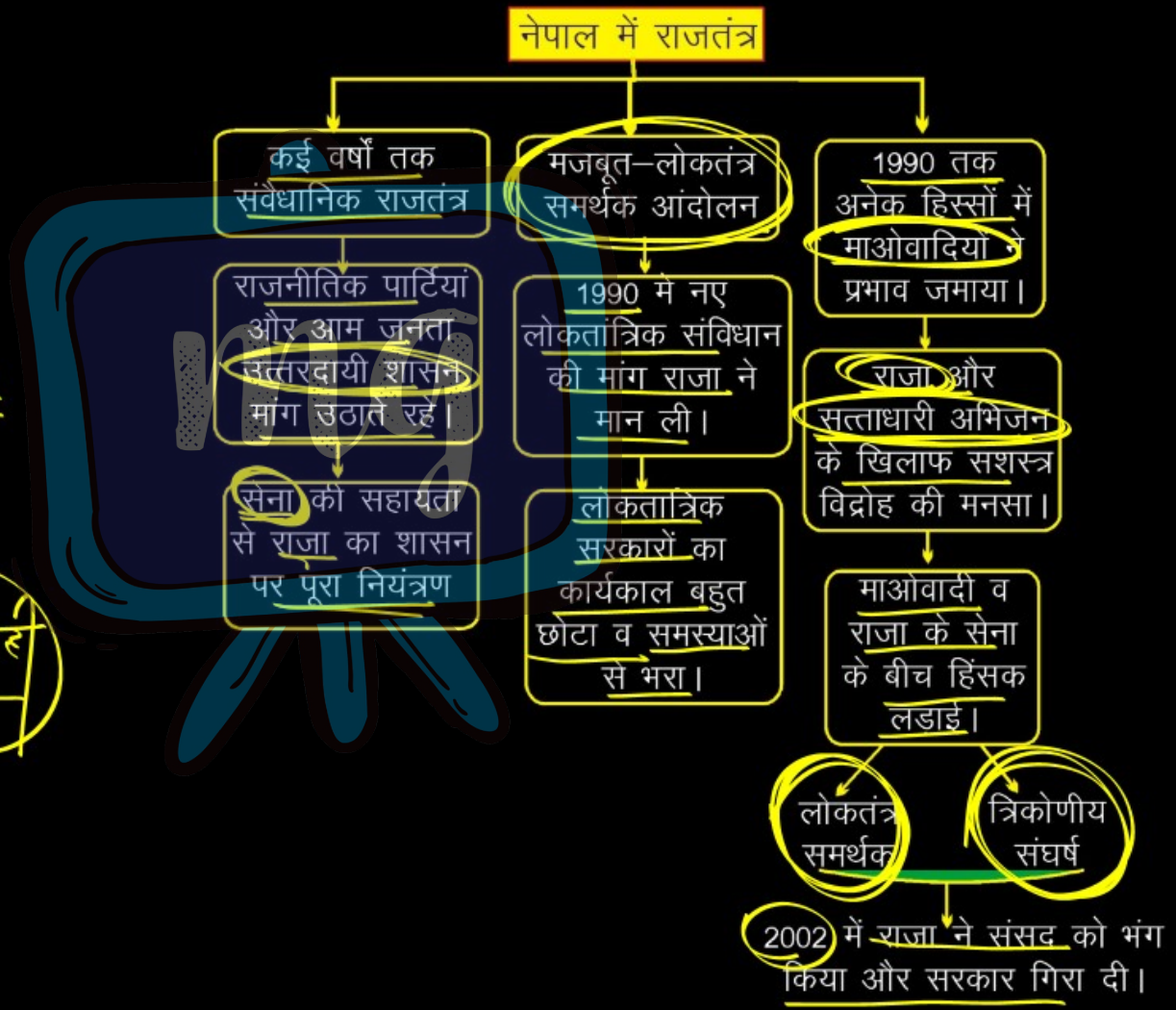
भाग - 3

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

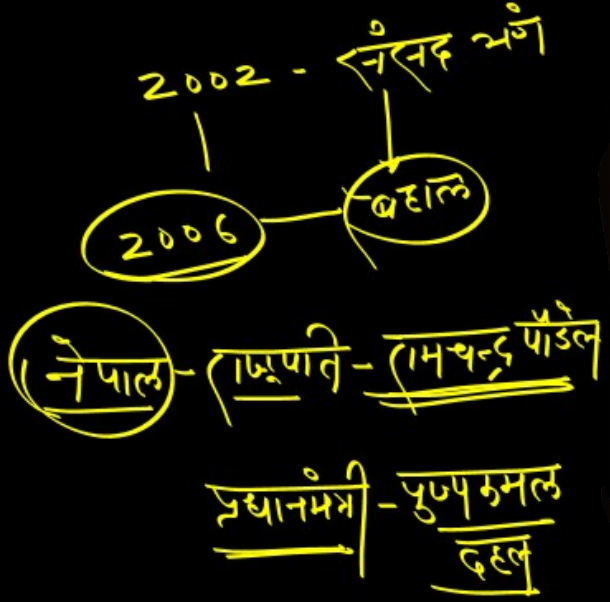
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नेपाल में लोकतंत्र

अप्रैल 2006 में देशव्यापी लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शन

राजा ज्ञानेन्द्र ने बाध्य होकर संसद को बहाल किया

संविधान लिखने के लिए संविधान सभा का घटन

2008 में नेपाल राजतंत्र को खत्म करने के बाद लोकतांत्रिक गणराज्य बना

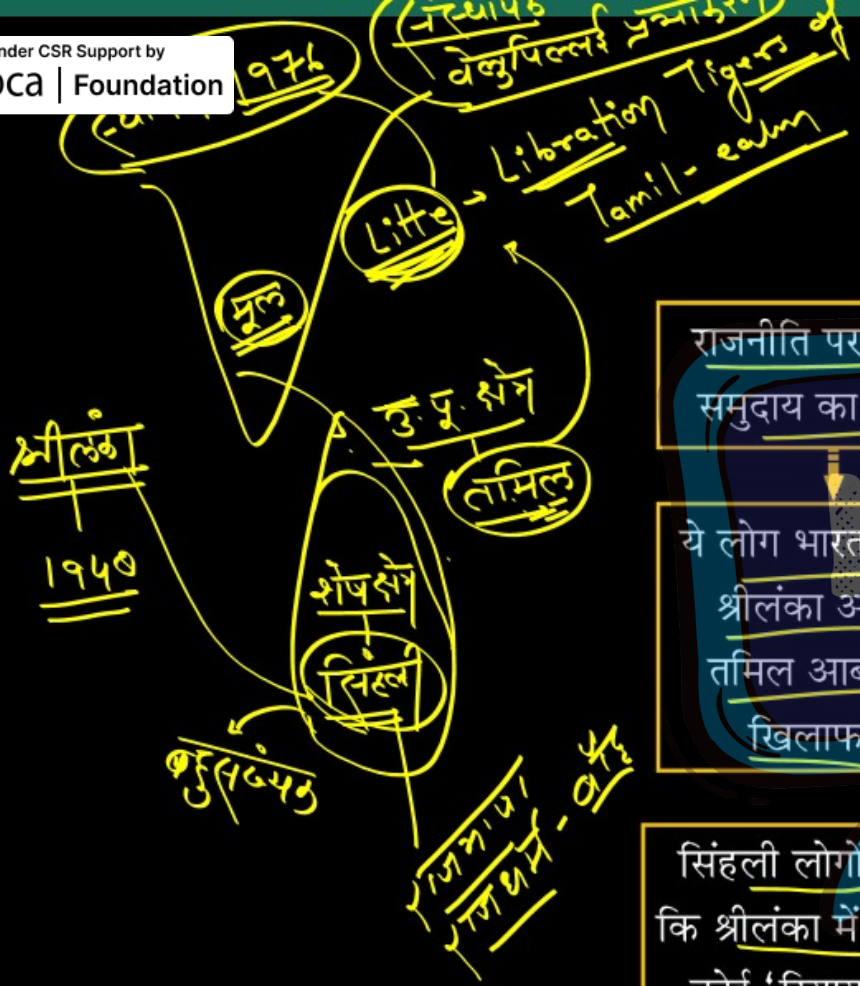
माओवादी :- मूलगामी सामाजिक आर्थिक पुनर्रचना के कार्यक्रमों को शामिल करने की माँग

कुछ व्यक्ति अलंकारिक अर्थों में राजा का पद रखने के समर्थक

2015 में नेपाल ने नया संविधान बनाया

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



श्रीलंका में जातीय संघर्ष

राजनीति पर सिंहली समुदाय का दबदबा

ये लोग भारत छोड़कर श्रीलंका आ बसी तमिल आबादी के खिलाफ थे।

सिंहली लोगों का मानना था कि श्रीलंका में तमिलों के साथ कोई 'रियायत' नहीं बरती जानी चाहिए क्योंकि श्रीलंका सिर्फ सिंहली लोगो का है।

2008 में नेपाल राजतंत्र को खत्म करने के बाद लोकतांत्रिक गणराज्य बना

1983 के बाद से उग्र तमिल संगठन 'लिट्टे' का श्रीलकांई सेना के साथ सशस्त्र संघर्ष

तमिलों के लिए अलग राष्ट्र की माँग

श्रीलंका के उत्तर, पूर्वी हिस्से तक लिट्टे का नियंत्रण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

श्रीलंका की समस्या और भारत :-

- श्रीलंका की समस्या भातरवंशी लोगों से जुड़ी है।
- भारत की तमिल जनता का भारतीय सरकार पर दबाव :- श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा का।
- भारत सरकार और श्रीलंका सरकार में समझौता
- श्रीलंका सरकार और तमिलों के बीच रिश्ते सामान्य करने के लिए भारतीय सेना को भेजा। → शांति सेना
- भारतीय सेना लिट्टे के साथ संघर्ष में फँस गई।
- श्रीलंकाई जनता ने समझा कि भारत, श्रीलंका के अंदरुनी मामलों में दखलदाजी कर रहा है।
- 1989 में भारत ने अपनी 'शांति सेना' बिना लक्ष्य हासिल किये वापस बुला ली।

